शेख़ फ़रीद - सबद १
दिलहु मुहबत जिंन्ह सेई सचिआ ॥
राग आसा, सेख फरीद, गुरु ग्रंथ साहिब, ४८८

दिलहु मुहबत जिंन्ह सेई सचिआ ॥
जिन्ह मन होर मुख होर सि कांढे कचिआ ॥१॥
रते इसक खुदाइ रंग दीदार के ॥
विसरिआ जिन्ह नाम ते भुइ भार थीए ॥१॥ रहाउ ॥
आप लीए लड़ लाइ दर दरवेस से ॥
तिन धंन जणेदी माउ आए सफल से ॥२॥
परवदगार अपार अगम बेअंत तू ॥
जिना पछाता सच चुमा पैर मूं ॥३॥
तेरी पनह खुदाइ तू बखसंदगी ॥
सेख फरीदै खैर दीजै बंदगी ॥४॥१॥

सार: आत्म-चिंतन केवल एक आध्यात्मिक विचार नहीं है, बल्कि ख़ुद को बेहतर बनाने का ज़रूरी साधन है। जितना ज़्यादा आंतरिक आत्मा को समझते हैं उतनी ही बेहतर तरीके से जीवन की जटिलताओं और चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। यह गहरी समझ सार्थक अस्तित्व को बढ़ावा देती है, जीवन की अनिश्चितताओं के बीच आनंद को अपनाने और सच्चाई से जीने के लिए प्रेरित करती है।

दिलहु मुहबत जिंन्ह सेई सचिआ ॥
जो लोग बिना शर्त प्रेम करते हैं, उन्हें सच्चा और ईमानदार माना जा सकता है।

जिन्ह मन होर मुख होर सि कांढे कचिआ ॥१॥
जो अपने शब्दों और इरादों को एक जैसा नहीं रखते, वह आत्म-विकास की शुरुआती अवस्था में होते हैं। (१)

रते इसक खुदाइ रंग दीदार के ॥
जो लोग बिना शर्त प्रेम में जीते हैं वह सभी प्राणियों को एक ही चेतना की अभिव्यक्ति के रूप में देखते हैं।

विसरिआ जिन्ह नाम ते भुइ भार थीए ॥१॥ रहाउ ॥
जो अपने भीतर झांकने में असमर्थ होते हैं वह नकली जीवन जीने का बोझ महसूस करते हैं। (१)(विराम)

आप लीए लड़ लाइ दर दरवेस से ॥
जो सार्वभौमिक प्रेम अपनाने की कोशिश करते हैं वह एकता की चेतना को पाने का रास्ता खोलते हैं।

तिन धंन जणेदी माउ आए सफल से ॥२॥
जिन्होंने इस सकारात्मक सोच को पोषित किया उनकी माताएं धन्य हैं जिससे इन दोनों का जीवन सफल हो गया। (२)

परवदगार अपार अगम बेअंत तू ॥
सर्वव्यापी ऊर्जा जो पोषण करती है, अनंत, अथाह और अंतहीन है।

जिना पछाता सच चुमा पैर मूं ॥३॥
जो लोग इस सत्य को पहचानते हैं, मैं उनके चरणों को आदरपूर्वक चूमता हूँ। (३)

तेरी पनह खुदाइ तू बखसंदगी ॥
सर्वव्यापी चेतना की शरण में जाने से व्यक्ति स्वतंत्रता प्राप्त करता है।

सेख फरीदै खैर दीजै बंदगी ॥४॥१॥
सेख फरीद बिना शर्त प्यार के प्रति समर्पण से कृतज्ञ होने की प्रार्थना करते हैं। (४)(१)

तत्त्व: शेख़ फ़रीद अपने कर्मों और इरादों को इस तरह मिलाने की कोशिश करते हैं कि वह शुद्ध भक्ति के प्रतीक बनें जो कि बिना किसी शर्त पूर्णतः प्रेम पर आधारित है। ऐसा करके वह सभी प्राणियों को जोड़ने वाली एकता का अनुभव करने की स्वतंत्रता प्राप्त करते हैं।

पहलकदमी

Oneness In Diversity Research Foundation

वेबसाइट: OnenessInDiversity.com

ईमेल: onenessindiversityfoundation@gmail.com